Request to provide more railway facilities to the people of Rajasthan

श्री भागीरथ चौधरी **(**अजमेर**) :** माननीय सभापति महोदय जी, हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी के समय रेल मंत्रालय का जो विकास हुआ है, चाहे वंदे भारत ट्रेन्स हों, आज पूरे देश में उनकी प्रशंसा हो रही है।

राजस्थान प्रदेश से लाखों लोग गत 40-50 वर्षों से दक्षिणी भारत के पूणे, हुबली, बेंगलुरु, मैसूर, चैन्नई, इचलकरंजी, कोल्हापुर, केआर पुरम, यशवन्तपुर आदि औद्योगिक एवं व्यापारिक शहरों में निवासरत होकर अपने-अपने उद्योग-धन्धों एवं नौकरी पेशा क्षेत्र में रोजगाररत हैं। ? (व्यवधान) हालांकि, कहने को तो राजस्थान से उक्त शहरों के बीच रेलवे ने नौ जौड़ी ट्रेनों का संचालन कर रखा हैं, जिसमें 05 साप्ताहिक व 04 द्विसाप्ताहिक ट्रेनें हैं, जो पर्याप्त नहीं हैं। ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आप अपनी बात जारी रखिए, बाकी सब बैठ जाइए।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** कृपया सब लोग बैठ जाइए।

? (व्यवधान)

श्री भागीरथ चौधरी **:** सभापति महोदय, इन ट्रेनों का राजस्व भी अच्छा है, लेकिन आश्चर्य की बात है कि पिछले 50 वर्षों में आज तक राजस्थान से दक्षिणी भारत की ओर एक भी नियमित ट्रेन का संचालन नहीं हुआ। उक्त संचालित सभी 9 ट्रेनों में काफी भीड़ होने से सीजन और ऑफ सीजन में भी आगामी चार माह तक का वेटिंग रिजर्वेशन मिलता हैं। उनके सब्र का बांध तो उस समय टूटता है, जब टिकट कन्फर्म नहीं होता है और उनके प्रदेश आने की सारी की सारी तैयारियां धरी रह जाती हैं।

मेरा आपके माध्यम से रेल मंत्री जी निवेदन है कि राजस्थान से लाखों लोग दक्षिण भारत में रहते हैं तो वहां नियमित ट्रेनों का ठहराव हो। आपसे निवदेन है कि अजमेर से संचालित होने वाली गाडी संख्या 16209/16210 अजमेर-मैसूर द्विसाप्ताहिक ट्रेन अथवा गाडी संख्या 16531/16532 अजमेर-बेंगलुरु साप्ताहिक ट्रेन के फेरे बढाकर, अर्थात् किसी एक का संचालन सप्ताह के सातों दिन कराने की एवं इस रुट पर नई ट्रेन के संचालन की सक्षम स्वीकृति अविलम्ब जारी कराएं, ताकि राजस्थानी प्रवासी बन्धुओं को रेल सुविधाओं का अधिकाधिक समग्र लाभ मिल सकें।